डिजीटल पत्र

दैनिक

कांग्रेस दर्पण

पटना, 20 जून, गुरुवार, 2024

बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल सदाकत आश्रम पटना - 10

जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए आप सभी का दिल से धन्यवाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज अपना 54वां जन्मदिन मना रहे हैं

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

हैदराबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज अपना 54वां जन्मदिन मना रहे हैं। पूरे देश में कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल के जन्मदिन पर जश्न में डूबे हैं। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जहां कांग्रेसी कार्यकर्ता क्रेन पर चढ़कर राहुल के भव्य कटआउट पर फूल बरसा रहे हैं। यही नहीं, बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी और पटाखे भी फोड़े। इसके अलावा, कांग्रेस कार्यकर्ता डांस करते भी नजर आ रहे हैं।

इससे पहले तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं थीं। रेड्डी ने 'एक्स' पर लिखा, ₹राहुल गांधी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! उनका व्यक्तित्व सभी मुश्किलों से लड़ने का है। उनका दृष्टिकोण वंचितों के साथ खड़ा होना है। त्याग उनकी विरासत है और संघर्ष उनका दर्शन है। वह बुद्धिमान हैं और भविष्य के लिए भारत की आकांक्षाओं को पूरा करने वाले एकमात्र नेता हैं। राहुल गांधी का जन्म 19 जून, 1970 को नई दिल्ली में हुआ था। वह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी

और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की ज्येष्ठ संतान हैं। वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश के रायबरेली से लोकसभा सदस्य हैं। इससे पहले वह केरल के वायनाड से सांसद थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं और विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') के कुछ नेताओं ने भी बुधवार को राहुल गांधी को उनके जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी। कांग्रेस नेताओं ने राहुल गांधी को कमजोरों की आवाज, संविधान के प्रति अटूट आस्था रखने वाला तथा सत्ता को सच का आईना दिखाने वाला बताया।

बिहार बीजेपी के दोनों उपमुख्यमंत्री के बीच प्रतिस्पर्धा इस बात की है कि नीतीश कुमार की बेहतरीन चिरौरी करने में आखिर कौन आगे

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

यह उनका दोष नहीं बल्कि उनके ओरिजिन का दोष है।

इसलिए बीजेपी का जो भी नेता सत्ता में आता है, वह उसके मूल और बाहर निकलने का प्रयास करता है, क्योंकि डरे हुए लोग भी ऐसे ही भागने का प्रयास करते हैं। और इसी की परिणति का एक स्वरूप है #बीजेपी का #पेड्वर्कर।।

जरा समझिए

कहा जाता है कि आत्मबल एक ऐसी ताकत है, जहां 100 हाथी का बल होता है। लेकिन #आरएसएस

और #बीजेपी अपने कार्यकर्ताओं या नेताओं का आत्मबल ही सबसे पहले तोड़ती है, और उसे कमर विहीन बनाती है। चूंकि उन्हें मजबूत नहीं अपितु मजबूर लीडर चाहिए जो कि follow me के सिद्धांत पर चले।

इसलिए आज तक इस देश के इतिहास में एक भी आंदोलन बताइए जिसमें #आरएसएस या #बीजेपी ने अपनी प्रत्यक्ष रूप से भूमिका निभाई हो।। शायद एक भी नहीं। और आज जो #नरेंद्रमोदी और उनके शागिर्द #अमितशाह के अहंकार और हनक को आप देख रहे हैं उसे देखकर यह मत समझिए कि यह उनका आत्मबल है। इसलिए यहां भ्रम से बाहर निकलने की जरूरत है। दरअसल यह उनका आत्मबल नहीं बल्कि सत्ताबल है। इसीलिए वह ऐसा एक्ट करते हैं जैसे कोई भयभीत जानवर अपने बचाव के लिए ऑफेंसिव हो जाता है।

अब बिहार में ही जरा #बीजेपी के आत्मबल का नमूना देखिए।

कभी बीजेपी के सम्राट नीतीश कुमार को गद्दी से हटाने के लिए पगड़ी बांधे फिरते थे, भांति भांति की बयानबाजी करते थे। लेकिन जिस प्रण की पगड़ी को उन्होंने नीतीश कुमार को अपदस्थ करने के लिए बांधा था, आज वही पगड़ी पहने ये जनाब नीतीश जी का तलवा सहलाने में जुटे हैं। हालांकि फेंकने और चाटने का यह चरित्र तो बीजेपी के सम्राट का बेहद पुराना रहा है। लेकिन बीजेपी के दूसरे मुख्यमंत्री भी इसमें कोई कम पीछे नहीं हैं।

कभी पानी पी पी कर कोसने वाले बीजेपी कोटे के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा अब इस जुगत में हमेशा लगे रहते हैं कि कहीं नीतीश कुमार को मक्खन लगाने में वे सम्राट से पीछे न रह जाएं। इसलिए पार्टी लाइन से दो कदम आगे बढ़कर ये जनाब 2025 में नीतीश कुमार के ही नेतृत्व में चुनाव लड़ने की घोषणा तक कर देते हैं। कहने को तो बिहार में बीजेपी अब छोटे भाई से बड़े भाई की भूमिका में आ गई है, लेकिन यह सब उनके नेताओं के आत्मबल का नमूना है जो लोगों के संज्ञान में आना चाहिए।

ऐसे उदाहरणों को लंबी फेहरिस्त है..

हार के बाद बौखलाई बीजेपी अब अपने ही पेड वर्करों के साथ समीक्षा बैठक में मशगूल है। जिनके पास आत्मबल होता है वो बौखलाते नहीं है बल्कि चिंतन और मंथन करते हैं , लेकिन जरा यहां डर का माहौल कैसा है उसे देखिए........

दरअसल, बीजेपी के नेताओं को अपने ही लोगों से असुरक्षा की भावना इतनी है जिसका अंदाजा उनके एक नए फार्मूले से लगाया जा सकता है। उन्होंने चुन चुन कर पुराने और वैचारिक अपने कार्यकर्ताओं को ठिकाने लगाया और उसके बदले नए लोग कॉरपोरेट स्टाइल में नौकरी पर बीजेपी में आए। उन्हें कहा गया ढ्रंहिङ्ग१ ी१२...

कहते हैं कि

जो तुमको हो पसंद वही बात कहेंगे।
तुम दिन को कहो रात तो हम रात कहेंगे।।

कुछ ऐसे ही मुंह देखकर बात करते हैं , बीजेपी के पेड और आयातित वर्कर। आपको पता है कि बीजेपी के ये वही वर्कर हैं , जिन्हें न तो क्षेत्र का ज्ञान है और न ही उसके डेमोग्राफी की जानकारी है और न कोई वैचारिक समझ है। समझ अगर है तो केवल एक ही बात की और वो यह कि कैसे नेताओं का मूड भांपकर उनकी चिरौरी करें। उनके मुंह को देखकर उनके मन मुताबिक अपनी बात रखें।

बीजेपी के वैचारिक कार्यकर्ता तो बेचारे किसी कोने में बैठे हैं। जिन पर बीजेपी के नेतृत्व के किसी भी व्यक्ति की नजर भी नहीं है। क्योंकि ट्रेंड चेंज हो गया। अब आत्मबल तो है नहीं इसलिए जिनसे थोड़ा बहुत भी भय था उन्हें किनारे कर दिया गया। और यही आज बीजेपी के विनाश का कारण है। जरा समझिए कि समीक्षा का समुंद्र मंथन आखिर पार्टी किनके साथ कर रही है, जिन्हें कोई ज्ञान ही नहीं है। और जिनके साथ समीक्षा होनी चाहिए, उन्हें कोई पूछ नहीं रहा। तो ऐसे में सर्वनाश तो सुनिश्चित ही माना जायेगा न।

रिकॉर्ड वोट और संख्या के साथ

2025 में बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी।

यहां भी इनके आत्मबल में अभाव देखिए। बड़ी पार्टी और बड़ा जन समर्थन के बाबजूद भी इनको खुद पर यकीन नहीं होता। लिहाजा, ये #नीतीशकुमार नामक #किराएकेकोख को लेकर 2025 के नेतृत्व का ढिंढोरा पीटना शुरू कर देते हैं।

कहते हैं कि काठ की हांडी बार बार नहीं चढ़ती। लेकिन नीतीश कुमार नामक काठ की हांडी बिहार में कई बार चढ़ चुकी है। मसलन , ऐसी काठ की हांडी जो अब बिल्कुल जल कर राख बनने के कगार पर है और उसे बीजेपी एक बार फिर से चूल्हे पर चढ़ाना चाहती है। लिहाजा, हश्र क्या होगा यह तो सर्वविदित है।

एक तो करैला और दुजे नीम चढ़ा। कुछ ऐसा ही हाल बिहार में एनडीए का है। दरअसल, एक तरफ बीजेपी का आयातित , पेड वर्कर जो की घोर अनुभवहीन है, वहीं दूसरी ओर नितीश कुमार की मानसिक स्थिति जो की पूरी तरह से असंतुलित है। जिसे पूरा बिहार जानता है। वहीं दुसरे पक्ष को अगर देखें तो वहां अनुभवी कार्यकर्ताओं की एक लंबी टोली के साथ एक तरोताजा नेतृत्व। मसलन रिजल्ट का अंदाजा आप खुद ही लगा लीजिए। वैसे भी बिहार की जनता अब नीतीश कुमार से उब्र चुकी है और वह बदलाव चाहती है। ऐसे में महागठबंधन के लिए सभी अनुकूल परिस्थितियां एक साथ है।

इनके आत्मबल के अभाव और अंदरूनी भय की वजह से वैचारिक धरातल के कार्यकर्ता को बीजेपी नेतृत्व ने किया दूर और कार्यकर्ता बनाने वाली फैक्ट्री आरएसएस भी अब लगभग पूरी तरह से बंद के कगार पर। दरअसल, बीजेपी में पेड वर्कर रखे जाने के साथ ही मिस्ड कॉल से सदस्य बनाने का ऐसा चलन चला कि वैचारिक कार्यकर्ता लगभग बीजेपी के धरातल से कोसो दूर हो गए। कभी एक परिवार कहे जाने वाली व्यवस्था में स्थिति ऐसी है कि जिला स्तर पर भी कार्यकर्ता एक दूसरे को जानते तक नहीं, तो फिर प्रांत और राष्ट्रीय स्तर की तो बात करना ही बेमानी होगी।

बीजेपी के मातृ संगठन कहे जाने वाले आरएसएस को कभी कार्यकर्ता बनाने की फैक्ट्री कहा जाता था, लेकिन आज वह फैक्ट्री भी लगभग बंद के कगार पर है। वहीं वहां से निकले हुए वैचारिक कार्यकर्ताओं की वैल्यू या पूछ भी आज के बीजेपी में नहीं है। लिहाजा, यह सब देखने के बाद तो ऐसा ही प्रतीत होता है कि बीजेपी का अवसान काल अब बहुत ही नजदीक है। और यह आत्मबलहीन लोगों की भीड़ आज जो आपको पार्टी में दिखाई दें रही है यह वस्तुतः सत्ता से चिपकने वाले लोगों की भीड़ है। जो जिधर भी सत्ता रहेगी उधर जाकर चिपक जायेंगे।

शिशिर कौण्डिल्य

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एन.टी.ए.) अध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त किया जाना विद्यार्थियों के हित में जरूरी : डॉ. राजकिशोर

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नीट यूजी पेपर लीक की खबर ने सबको हैरान–परेशान कर दिया है, इस मामले की जांच चल रही है वहीं दूसरी तरफ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने यूजीसी–नेट परीक्षा को रद्द करने की घोषणा की है। प्रथम दृष्टया गड़बड़ी के संकेत मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया है। मेडिकल इंट्रेंस परीक्षा रिजल्ट का विवाद अभी ठंडा भी नहीं पड़ा है कि शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी–नेट परीक्षा को भी रद्द करने का एलान किया है।

मालूम हो कि मेडिकल इंट्रेंस परीक्षा 2024 कंटक□ट कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने ही इस परीक्षा को भी 18 जून 2024 को देश के विभिन्न शहरों में दो पालियों में ओएमआर (पेन और पेपर) मोड में आयोजित कराया था ' मामले की जांच सीबीआइ को सौंपी गई है। शिक्षा मंत्रालय ने यह फैसला गृह मंत्रालय से परीक्षा में धांधली के इनपुट मिलने के बाद लिया है। यूजीसी–नेट अब नए सिरे से आयोजित कराया जाएगा। गृह मंत्रालय के अधीन भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र से मिले इनपुट से पता चला है कि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है। वहीं, पेपर लीक होने की संभावना भी जताई गई है। हम सभी जानते हैं कि इन परीक्षाओं के लिए बच्चे कितनी मेहनत करते हैं। छात्र

इन परीक्षाओं की तैयारी काफी पहले से शुरू कर देते हैं और यहां तक कि उनके परिवार भी तैयारियों में शामिल होते हैं।

प्रोफेसर तथा डॉक्टर बनने का सपना संजोए नीट, यूजीसी–नेट परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों की व्याकुलता समझते हुए कह सकते हैं कि एनईईटी तथा यूजीसी–नेट परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए में सुधार की जरुरत है। शिक्षा में भ्रष्टाचार देश के साथ गद्दारी करने से कम नहीं है। उन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होनी चाहिए '

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में शिक्षा में भ्रष्टाचार हुआ है। शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने के साथ ही सरकार को इस यूजीसी–नेट परीक्षा घोटाला पर न्यायिक जांच करानी चाहिए।

18 जून 2024 को देश के विभिन□न शहरों में यूजीसी–नेट परीक्षा की परीक्षा आयोजित की थी ' यह परीक्षा दो पालियों में करवाई गई थी ' हालांकि, परीक्षा संपन□न होने के साथ ही इसमें गड़बड़ी और धांधली के आरोप लगने लगे थे ' एनईईटी को लेकर हुए विवाद से सीख लेते हुए सरकार ने तत□काल इसे रद्द करने का फैसला ले लिया '

डॉ. राजकिशोर

कांग्रेस कार्यालय खगड़िया में राहुल गांधी का मनाया गया जन्मदिन

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

आज 19 जून 2024 रोज बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं जननायक राहुल गांधी के 54 वें जन्म दिवस पर जिला कांग्रेस कार्यालय,खगड़िया में जिला अध्यक्ष कुमार भानु प्रताप उर्फ गुड्डू पासवान एवं खगड़िया सदर विधायक छत्रपति यादव ने संयुक्त रूप से केक काटकर जन्मदिन मनाया, जन्मदिवस की अध्यक्षता खगड़िया युवा कांग्रेस के सन्नी कुमार ने की। उक्त मौके पर विधायक छत्रपति यादव ने कहा कि राहुल गांधी कन्या कुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा कर देश में नफरत की दुकान बंद कर मोहब्बत की दुकान खोलने का काम किया है। जिला अध्यक्ष गुड्डू पासवान ने कहा कि राहुल गांधी एक ऐसा नेता हैं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आंख में आंख डालकर बात करतें है, देश की जनहित के मुद्दे हो या गरीबों, मजदूरों और किसानों की हित की बात हो सरकार से मुखर होकर आवाज

उठाते हैं। आने वाले समय में जनता राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। उक्त मौके पर जिला उपाध्यक्ष बुद्धदेव प्रसाद यादव, जिला प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी अरुण कुमार अधिवक्ता, जिला सचिव प्रमोद राय, राजीव कुमार रंजन, संतोष चंद्रवंशी, कार्यालय मंत्री अवनी कुमार,कांग्रेसी कारेलाल यादव, किरानी पासवान आदि नेता उपस्थित थे।

संसद भवन परिसर में मूर्तियों के स्थानांतरण को लेकर भाजपा और विपक्ष के बीच चल रही जुबानी जंग

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। संसद भवन परिसर में मूर्तियों के स्थानांतरण को लेकर भाजपा और विपक्ष के बीच चल रही जुबानी जंग के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने मूर्तियों को उनके मूल स्थान पर पुनः स्थापित करने की मांग की।

खड़गे ने पत्र में आरोप लगाया कि संसद भवन परिसर में महात्मा गांधी और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर सहित कई महान नेताओं की मूर्तियों को उनके मूल प्रमुख स्थानों से हटाकर एक अलग कोने में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मूर्तियों को हटाना हमारे लोकतंत्र की मूल भावना का उल्लंघन है और कहा कि संसद भवन के सामने महात्मा गांधी की मूर्ति को उचित विचार–विमर्श के बाद रखा गया था और यह भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में भी बहुत महत्व रखती है।

दशकों से, इस स्थान ने पवित्र मूल्य ग्रहण कर लिया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सांसदों और आगंतुकों ने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

और महात्मा की भावना को अपने भीतर समाहित किया। यह वह स्थान है, जहां सांसदों ने लोकतांत्रिक तरीके से लोगों की चिंताओं को आवाज दी और सरकार का ध्यान आकर्षित कर उचित समाधान की मांग की। बाबासाहेब की प्रतिमा को स्थानांतरित करने पर आपत्ति जताते हुए उन्होंने अपने छात्र जीवन के अनुभवों का हवाला दिया और कहा कि इस सुविधाजनक स्थान पर लोगों को उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने के लिए निर्बाध आवाजाही की सुविधा थी।

खड़गे ने लिखा कि1960 के दशक के मध्य में अपने छात्र जीवन के दौरान, मैं संसद भवन के परिसर में प्रतिमा स्थापित करने की मांग करने वालों में सबसे आगे था। इस तरह के ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप अंततः डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की प्रतिमा को उस स्थान पर स्थापित किया गया, जहां वह पहले रखी गई थी। मैं यह दुख के साथ कहने के लिए बाध्य हूं कि यह सब अब मनमाने और एकतरफा तरीके से खत्म कर दिया गया है।

महात्मा गांधी, बीआर अंबेडकर और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों की मूर्तियों को उनके मूल स्थान पर पुनः स्थापित करने की मांग करने वाला खड़गे का पत्र 24 जून से शुरू हो रहे 18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र से पहले आया है। विशेष रूप से, संसद परिसर के अंदर राष्ट्रीय प्रतीकों और स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों को स्थानांतरित करने पर विपक्ष ने केंद्र के कदम के खिलाफ विरोध जताया। हालांकि सरकार ने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि मूर्तियों को एक 'प्रेरणा स्थल' पर एक ही स्थान पर रखने से आगंतुकों को देश की समृद्ध विरासत की बेहतर जानकारी मिलेगी।

यूथ कांग्रेस ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

जामताड़ा : जामताड़ा में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया. यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष तनवीर आलम के नेतृत्व में करमटांड़ प्रखंड के कदरूडीह गांव में एक आदिवासी बच्ची से केक कटवाया गया. इसके बाद सभी बच्चों के बीच कॉपी–कलम का वितरण किया गया. तनवीर आलम ने कहा कि आज हम लोग पहली बार अपने युवा हीरो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन सुदूरवर्ती आदिवासी गांव में मना रहे हैं. राहुल गांधी ने जिस तरह से पूरे देश में पदयात्रा निकालकर देश को जोड़ने का काम किया है उसी तरह हम भी शहर से दूर ग्रामीण क्षेत्र में आदिवासी बच्चे–बच्चियों के बीच उनका जन्मदिन मना कर उस पदयात्रा की सार्थकता को सिद्ध कर रहे हैं.

एमपी कांग्रेस में 70 प्रतिशत युवाओं को मिलेगा मौका, महिलाओं की भी बढ़ेगी भागेदारी

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद पार्टी संगठन में बदलाव का काम तेजी से चल रहा है। कांग्रेस के प्रदेश का अध्यक्ष जीतू पटवारी इसको लेकर प्रदेश भर के नेताओं और संगठन पदाधिकारी की अलग–अलग बैठकर कर चुके हैं। नेताओं और पदाधिकारी के काम करने की शैली पर भी निगरानी की जा रही है।

कांग्रेस सूत्रों की माने तो जीतू पटवारी की टीम में करीब 70 प्रतिशत युवाओं को मौका मिल सकता है। जबकि 30 प्रतिशत बुजुर्ग नेताओं को टीम में शामिल किया जा सकता है। खास बात यह है कि जीतू पटवारी इस बार महिलाओं को खास तवज्जो देने की तैयारी में हैं। टीम में महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

मध्यप्रदेश में लगातार मिल रही हार की समीक्षा जीतू पटवारी की टीम कर रही है। साथ ही 10 साल का रोड मैप तैयार किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश भर में निष्क्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एक बार फिर से जिम्मेदारी देने और उन्हें कांग्रेस पार्टी में काम करने के लिए उत्साहित किया जाएगा। नई टीम में उपाध्यक्ष, महामंत्री और सचिवों की संख्या 70 से अधिक नहीं होगी। इस बार छोटी और मजबूत टीम बनाई जाएगी। कांग्रेस के अंदर खाने से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस ने अपनी नई टीम का लगभग विस्तार कर लिया है। बस आलाकमान की मुहर लगना बाकी है। मुहर लगने के बाद नई टीम का एलान किया जाएगा। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करें

एनएसयूआई झारखंड ने नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर कोचिंग सेंटरों के बाहर चलाया सिग्नेचर कैंपेन

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

रांची। कांग्रेस से जुड़े छात्र संगठन झारखंड ठरवक की नेता आरुषि वंदना के नेतृत्व में ठएएळ परीक्षा में हुई धांधली को लेकर रांची के कोचिंग सेंटरों के बाहर सिग्नेचर कैंपेन चलाया गया। सैकड़ों विद्यार्थियों ने इस मुहिम में हिस्सा लिया। आरुषि वंदना ने कहा कि नीट का पेपर लीक हुआ है, लेकिन ठळअ इस बात को मानने को तैयार नहीं है। लाखों स्टूडेंट्स का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। इतने बड़े मुद्दे पर सरकार की चुप्पी यह साफ दर्शाती है कि सरकार इस अन्याय के खिलाफ मूक रहकर इसे बढ़ावा दे रही है। ठळअ शक के घेरे में है क्योंकि पेपर लीक की बात सामने आई थी, फिर भी परीक्षा का आयोजन हुआ। इसके बाद जो स्कोर आ ही नहीं सकते वह भी जारी कर दिए गए।

इसी के साथ नीट का रिजल्ट भी जल्दबाजी में पहले ही जारी कर दिया गया। इसी को देखते हुए झारखंड एनएसयूआई संगठन ने हस्ताक्षर अभियान चलाया है। संगठन ने मांग की है कि स्टूडेंट्स को राहत देते हुए परीक्षा फिर से करवाई जाए। पीड़ित छात्रों को उचित न्याय दिया जाए, जिसके वह सब हकदार हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आरुषि वंदना, रवि वर्मा, पी.कृतिका रॉव, अभिषेक दुबे, प्रखर शर्मा, दीप रॉय,

इंडिया के संपर्क में एनडीए के कई नेता, मौका मिलते ही सरकार गिरा देंगे

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली : राहुल गांधी के दिए एक बयान से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है. दरअसल बिजनेस अखबार फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार बेहद कमजोर है. उन्होंने यहां तक दावा किया है कि मौका मिलने पर वह सरकार गिरा देंगे. कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी बिना किसी का नाम लिए इंटरव्यू में दावा किया है कि नरेंद्र मोदी खेमे के लोग इंडिया ब्लॉक (आई.एन.डी.आई.ए.) के साथ 'संपर्क' में हैं. छोटी सी गड़बड़ी भी भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनाने वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को अस्थिर कर सकती है. इसके साथ ही राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि एनडीए में शामिल क्षेत्रीय दलों में 'भारी असंतोष' है. इसकी वजह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को बचने के लिए 'संघर्ष' करना पड़ेगा.

छोटी सी गड़बड़ी सरकार गिरा सकती है: फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में राहुल गांधी ने कहा, 'मोदी सरकार में संख्याबल इतना है कि यह बहुत नाजुक स्थिति में है और छोटी सी गड़बड़ी सरकार गिरा सकती है. इसके लिए सिर्फ एक सहयोगी को दूसरी तरफ जाना होगा.' हालांकि, राहुल गांधी ने अपने दावों पर और विस्तार से बताने से इनकार कर दिया.

मोदी की छवि नष्ट हो गई है: राहुल गांधी: लोकसभा चुनाव में इंडिया ब्लॉक की बढ़त दिखाते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'भाजपा का बुनियादी ढांचा और धार्मिक वैमनस्य फैलाने की उनकी विचारधारा

ध्वस्त हो गई है. भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव आया है. यही वजह है कि सत्तारूढ़ गठबंधन इस बार संघर्ष करेगा, क्योंकि 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के लिए जो कारगर रहा, वह इस बार काम नहीं कर रहा है.' उन्होंने आगे कहा, 'नरेंद्र मोदी की विचारधारा और मोदी की छवि नष्ट हो गई है.'

24 जून को कांग्रेस आलाकमान ने बुलाई बैठक, विधानसभा चुनाव पर होगी चर्चा

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस आलाकमान ने 24 जून को दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाई है। इसमें झारखंड कांग्रेस के सभी बड़े नेता शामिल होंगे।

झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति में होने वाली यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है। इस बैठक में राज्य में वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति के साथ–साथ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा होगी।

प्रदेश कांग्रेस महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित प्रदेश कांग्रेस के सभी पदाधिकारी, सांसद, विधायक, सरकार में कांग्रेस कोटे के मंत्री और पार्टी के सभी बड़े नेता उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि इस बैठक में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस में वापसी को तैयार प्रणब दा के बेटे, टीएमसी के कल्चर पर उठाए सवाल

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

नई दिल्ली। देश पूर्व राष्ट्रपति और दिग्गज कांग्रेसी रहे दिवंगत प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने कांग्रेस में वापसी की अपनी इच्छा प्रकट की है। इसके लिए उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी की कार्य संस्कृति पर भी सवाल उठाया है। आपको बता दें कि उन्होंने 2021 में कांग्रेस से इस्तीफा देते हुए टीएमसी जॉइन कर ली थी।

उन्होंने टीएमसी छोड़ने और कांग्रेस में वापसी की इच्छा प्रकट करते हुए कहा, ₹टीएमसी की कार्य संस्कृति कांग्रेस से बिल्कुल मेल नहीं खाती है। मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। दिल्ली आने के बाद मैंने कांग्रेस आलाकमान से समय मांगा है।" उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस आलाकमान मुझे तुरंत शामिल होने के लिए कहते हैं तो मैं शामिल हो जाऊंगा। मैं पूरी तरह से स्वतंत्र हूं और कांग्रेस पार्टी में अपना योगदान देने के लिए तैयार हूं।"

अभिजीत मुखर्जी ने कहा, ₹2019 में मैं जिन कारणों से चुनाव हार गया, उनके बारे में जानता हूं। मैं खुलकर इसके बारे में नहीं कह पाऊंगा। आलाकमान भी इसके बारे में जानते हैं। 2.5 साल तक मैंने कांग्रेस द्वारा मुझे जो भी काम दिया गया उसे पूरा किया। लेकिन पार्टी ने मुझे पर्याप्त काम नहीं दिया। चाहे इसके जो भी कारण रहे हों।" आपको बता दें कि उन्होंने 2019 में कांग्रेस के सिंबल पर लोकसभा का चुनाव लड़ा था और उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। प्रणब दा के बेटे ने आगे कहा, "मुझे धीरे–धीरे एक खास व्यक्ति और एक खास समूह द्वारा हाशिए पर डाल दिया गया। इसी दौरान ममता दीदी ने मुझे बुलाया। मैंने उनसे मिलने का समय मांगा था। उन्होंने मुझे टीएमसी शामिल होने का प्रस्ताव दिया। पार्टी में शामिल होने के बाद मुझे ऐसा कोई काम नहीं मिला। उनकी कार्य संस्कृति ने मुझे निराश नहीं किया, लेकिन कांग्रेस के साथ बिल्कुल भी मेल नहीं खाती है।"

टीएमसी की कार्य संस्कृति की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया। इसलिए दिल्ली वापस आने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने मुझसे अप्रत्यक्ष रूप से पूछा कि मैं चुप क्यों हूं। उन्होंने मुझे सक्रिय होने के लिए कहा। मैंने वरिष्ठ हाईकमान से समय मांगा, शायद मैं एक या दो दिन में उनसे मिल सकूं। अगर वे मुझे तुरंत शामिल होने के लिए कहते हैं, तो मैं कांग्रेस में शामिल हो जाऊंगा।"

छत्तीसगढ़ कांग्रेस का प्रदेशभर में प्रदर्शन, बलौदा बाजार हिंसा की सीबीआई जांच की मांग

संवाददाता । कांग्रेस दर्पण

बलौदा बाजार। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मंगलवार को प्रदेश भर में बलौदाबाजार हिंसा को लेकर कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। जिला मुख्यालय बीजापुर में ज़िला कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश के बलौदाबाज़ार में कलेक्टर कार्यालय और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आगजनी की घटना के विरोध में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन में प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं कोंटा विधायक कवासी लखमा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कलेक्टर कार्यालय और एसपी कार्यालय किसी का घर नहीं है ये आम जनता की संपत्ति है वे कौन लोग हैं जो कलेक्टर और एसपी जैसे कार्यालय में आगज़नी की घटना को अंजाम दिये हैं।

कवासी लखमा ने आगे कहा कि यह आज़ाद भारत की पहली घटना होगी जहां कलेक्टर कार्यालय और एसपी कार्यालय को आग के हवाले किया गया और सरकार आज तक कुछ नहीं कर रही है। इससे साफ़ है कि सरकार का सूचना तंत्र पूरी तरह फेल हो चुका है। प्रदेश सरकार आम लोगों के साथ साथ सार्वजनिक कार्यालयों की सुरक्षा करने में पूरी तरह नाकाम है। कवासी लखमा ने सभा को संबोधित करते हुए आगे कहा कि विष्णुदेव साय की सरकार को बने हुए महज़ छः माह ही हो रहे है इन छः माह में ही छत्तीसगढ़ जैसे शांत प्रदेश में ऐसी घटना का होना शर्मनाक है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृह मंत्री विजय शर्मा को पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है इसलिए उन्हें इस्तीफ़ा देना चाहिए।

बलौदाबाजार हिंसा को लेकर सुकमा में धरना प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी द्वारा बलोदाबाजार में घटित घटना के विरोध में सुकमा जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश्वरी बघेल के नेतृत्व में सुकमा बस स्टैंड परिसर में 18 जून 2024 को सुबह 10:00 बजे से धरना कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, नगरपालिका, नगरपंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद एवं समस्त प्रकोष्ठ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। बता दें कि बीते दिनों बलौदाबाजार जिले के ग्राम महाकौनी में जैतखाम के अपमान और तोड़फोड़ के मामले में उचित कार्यवाही नहीं होने के कारण सामाजिक संगठन द्वारा आयोजित रैली के दौरान हुए उग्र प्रदर्शन से जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय सहित परिसर में भारी आगजनी हुई। इस घटना में सैकड़ों दो पहिया/चार पहिया वाहनों एवं शासकीय संपत्ति को भारी क्षति पहुंची है। घटना को लेकर कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार पर साधा निशाना।

बस्तर जिला कॉंग्रेस कमेटी शहर/ग्रामीण के द्वारा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व कार्यक्रम प्रभारी मोहन मरकाम की उपस्थिति में संभाग मुख्यालय जगदलपुर के सिरहासार में बलौदाबाजार में हुई हिंसक घटना को लेकर व घटना की सीबीआई जांच की मांग साथ ही राज्य सरकार की लचर कानून व्यवस्था के विरोध में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान एसडीएम को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने अपने उद्बोधन में कहा आज भाजपा की सरकार जहाँ है वह प्रदेश जल रहा है, हिसंक घटनाएं दिन ब दिन बढ़ रही हैं, पिछले सालभर से मणिपुर जल रहा है, हरियाणा भी जला था, अब भाजपा की सरकार छत्तीसगढ़ को भी मणिपुर की तरह जलाना चाहती है। धर्म की आड़ में राजनीति करना भाजपा से अच्छा कोई नहीं जान सकता है। पूर्व मंत्री मोहन मरकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि बलौदाबाजार हिंसा मामले में सरकार सिर्फ बेगुनाहों व सभ्य सतनामी समाज के लोगों की गिरफ्तारी कर रही है, और इसके पीछे साज़िश रचने वाले असली गुनहगारों को बचा रही है, भाजपा की सरकार ने 500 से अधिक बेगुनाहों को गिरफ्तार कर उनके साथ बर्बरतापूर्वक बदसुलूकी कर रही है, तरह तरह की जेल में यातनाएं दी रही है, जो कि सीधा सीधा युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। छत्तीसगढ़ के इतिहास में कभी इतनी बड़ी घटना नही हुई है।

कांकेर में कांग्रेस ने किया धरना प्रदर्शन

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर कांकेर के पुराना बस स्टैंड में कांग्रेसियों ने विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। एक दिवसीय प्रदर्शन में भिलाई विधायक देवेंद्र यादव शामिल हुए जहां उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है बलौदाबाजार की घटना भाजपा शासन की विफलता को काले अक्षर में लिखा जाएगा। ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो इस पर विचार करने के बजाय भाजपा के नेता और छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्री इस पर उल जुलूल बयान बाजी कर रहे हैं और अपनी नाकामी को छुपाने के लिए वास्तविक आरोपियों के बजाय समाज से जुड़े पदाधिकारी व सामाजिक लोगों को इस मामले में फंसा कर जेल भेज रहे हैं।